सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 137 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 21 जून, 2024

मूल्य ₹ 3/-

सबसे बड़ा गुरु मन्त्र है, कभी भी अपने राज़ दूसरों को मत बताएं। ये आपको बर्बाद कर देगा।

-चाणक्य

बुमराह व सूर्यकुमार चमके, भारत की... 7 | हरियाणा में बिछने लगी चुनावी... 3 | भाजपा सरकारों ने प्रतियोगी परीक्षाओं... 2

अब प्रोटेम स्पीकर के नाम पर घिरी एनडीए सरकार

भर्तृहरि महताब की नियुक्ति पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

» विपक्ष बोला- बीजेपी ने किया संविधान का अपमान

» वरिष्ठों को नजरअंदाज कर दी गयी जूनियर को जिम्मेदारी

» कांग्रेस के कोडिकुन्निल सुरेश और भाजपा के वीरेंद्र कुमार अपना 8वां कार्यकाल पूरा कर रहे हैं

» 24 जून से शुरू होगा संसद का पहला सत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एनडीए सरकार जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है उसके साथ विवाद भी आगे बढ़ते जा रहे हैं। अबकी बार प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति को लेकर विपक्ष के निशाने पर मोदी सरकार आ गई है। कांग्रेस ने कहा है कि सरकार ने सीनियर सांसदों को नजरअंदाज करके जूनियर को नियुक्त करके संविधान का अपमान किया है। ज्ञात हो 9 जून को नई सरकार ने शपथ ले ली थी। उसके बाद तो यह सरकार पर विवादों में घिरने लगी। पहले मंत्रालय को लेकर ऊहापोह रहा वह मामला निपटा तो नीट परीक्षा धांधली ने सरकार के विश्वसनीयता पर सवाल उठा और फिर यूजीसी-नेट की परीक्षा रद होने के मामले में पीएम मोदी से लेकर पूरा शिक्षा मंत्रालय कटघरे में आ गया। अब लोकसभा स्पीकर के चयन पर विवाद शुरू हो गया है।

'पीएम मोदी अब श्री 400 नहीं, श्री 240 हैं'

कांग्रेस नेता ने कहा वह (पीएम मोदी) अब श्री 400 नहीं बल्कि श्री 240 हैं। मुझे भी लगता है कि पीएम मोदी दलितों के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि के सुरेश दलित हैं। हर कोई सोच रहा था कि के सुरेश प्रोटेम स्पीकर होंगे...हमें संविधान के आधार पर 2024 का जनादेश मिला है। उन्होंने कहा कि वे संविधान बदलना चाहते थे...इसलिए हम कह रहे हैं कि वे दलित विरोधी हैं।

महताब को राष्ट्रपति मुर्मू द्वारा अस्थायी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया

महताब को अध्यक्ष के चुनाव तक लोकसभा पीठासीन अधिकारी के कर्तव्यों का पालन करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 95(1) के तहत राष्ट्रपति मुर्मू द्वारा अस्थायी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। महताब, जिन्होंने 25 वर्षों से अधिक समय तक संसद सदस्य के रूप में कार्य किया है, डॉ. हरेकृष्ण महताब के पुत्र हैं, जो कांग्रेस के सदस्य थे।

बुलडोजर की राजनीति की मानसिकता से नहीं उबर पा रही बीजेपी : जयराम रमेश

कांग्रेस नेता ने कहा कि वीरेंद्र कुमार मंत्री हैं। ऐसे में उम्मीद थी कि के सुरेश को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया जाएगा, लेकिन बीजेपी के भर्तृहरि महताब को नियुक्त किया गया। उन्होंने कहा कि वे (बीजेपी) बुलडोजर की राजनीति की मानसिकता से उबर नहीं पाए हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि परंपरा और परिपाटी के अनुसार, अधिकतम कार्यकाल पूरा करने वाले सांसद को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया जाता है।

और लोग भी करेंगे सहायता : रिजिजू

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि प्रोटेम स्पीकर की सहायता के लिए सुरेश कोडिकुन्नील, थलिकोट्टई राजुथेवर बालू, राधामोहन सिंह, फग्गन सिंह कुलस्ते और सुदीप बंदोपाध्याय को भी नियुक्त किया है। उन्होंने आगे बताया कि भर्तृहरि महताब लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होने तक पीठासीन अधिकारी के रूप में कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे।

केजरीवाल की राहत पर आई हाईकोर्ट की आफत

» अदालत में सुनवाई पूरी होने तक जमानत पर लगी रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को जमानत देने के ट्रायल कोर्ट के आदेश के खिलाफ ईडी ने दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया है। ईडी ने इस मामले को तत्काल सुनवाई की मांग की। ईडी की याचिका पर सुनवाई को लिए हाईकोर्ट सहमत हो गया है। ईडी का दावा है कि हमको अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका का विरोध करने का पूरा मौका नहीं दिया क्या, इसलिए निचली अदालत के जमानत के फैसले पर रोक लगाई जाए।

अरविंद केजरीवाल के वकीलों ने ईडी के वकील को सलाह दी कि आपको अदालत के फैसले को सम्मान के साथ स्वीकार करना चाहिए। हाईकोर्ट की सुनवाई के बाद ही साफ होगा कि अरविंद केजरीवाल आज रिहा होंगे या नहीं। दिल्ली हाईकोर्ट का कहना है कि ट्रायल कोर्ट के आदेश को तब तक प्रभावी नहीं किया जाएगा जब तक वह सीएम केजरीवाल को दी गई जमानत को चुनौती देने वाली ईडी की याचिका पर सुनवाई नहीं कर लेता।

खबर मिलते ही खुश हुए थे आप कार्यकर्ता

उधर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत मिलने के बाद आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि ऐसे समय में अरविंद केजरीवाल का जेल से बाहर आना लोकतंत्र को मजबूत करने वाला है।

आबकारी नीति मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत मिलने से पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। पार्टी नेताओं ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर इसे सत्य की जीत बताया। जमानत मिलने की सूचना के बाद कार्यकर्ता केजरीवाल आवास के पास पहुंचे। इस दौरान आवास के बाहर कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि ऐसे समय में अरविंद केजरीवाल का जेल से बाहर आना लोकतंत्र को मजबूत करने वाला है। यह देश और दिल्ली के लोगों के लिए अच्छी खबर है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि ईडी के अब तक के बयान झूठ पर आधारित थे। यह केजरीवाल को फंसाने के लिए बनाया गया एक बेबुनियाद फर्जी मामला है।

राउज एवेन्यू कोर्ट ने दी थी जमानत

गुरुवार को दिल्ली राउज एवेन्यू कोर्ट ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बड़ी राहत प्रदान करते हुए आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले जमानत प्रदान कर दी। इससे पहले केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा चुनावों में प्रचार किए लिए जमानत प्रदान की थी। उसके बाद दो जून को उन्होंने समर्पण कर दिया था। अवकाश न्यायाधीश नियाय बिंदु ने केजरीवाल और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की दो दिनों तक सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया। इससे पहले उन्होंने दिन में दोनों पक्षों के तर्क सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। उन्होंने कल ही स्पष्ट किया था कि वे बहस पूरी होने के बाद तुरंत ही फैसला देंगे क्योंकि यह मामला हाई प्रोफाइल है।

न्यायव्यवस्था का मजाक बना रहे हैं पीएम : संजय सिंह

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने ईडी के केजरीवाल की जमानत के खिलाफ हाईकोर्ट जाने को लेकर कहा, मोदी सरकार की गुंडागर्दी देखिए अभी ट्रायल कोर्ट का आदेश ही नहीं आया आदेश की कॉपी भी नहीं मिली तो मोदी की ईडी हाईकोर्ट में किस आदेश को चुनौती देने पहुंच गई? क्या हो रहा है इस देश में? न्यायव्यवस्था का मजाक क्यों बना रहे हो मोदी जी पूरा देश आपको देख रहा है?

अभियोजन के दृष्टिकोण से केजरीवाल को जेल में रखने की कोई जरूरत नहीं : सिब्बल

राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को यहां की एक अदालत से बृहस्पतिवार को जमानत मिलने के बाद सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष के दृष्टिकोण से उन्हें जेल में रखने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि चुनाव खत्म हो चुका है। सिब्बल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बधाई हो। केजरीवाल को जमानत मिल गई। बहुत देर हो चुकी थी।

भाजपा सरकारों ने प्रतियोगी परीक्षाओं को बनाया मजाक : अखिलेश यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रतियोगी परीक्षाओं में हो रहे विवाद पर भाजपा सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार कोई परीक्षा नहीं करवा पा रही है। सरकार ने परीक्षाओं का मजाक बना दिया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि पुलिस भर्ती व समीक्षा अधिकारी परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद अब नीट परीक्षा को भी मजाक बना दिया गया है। अब यूजीसी-नेट की परीक्षा भी पेपर लीक होने के बाद रद्द हो गई है। भाजपा सरकार कोई परीक्षा पारदर्शिता से नहीं करा पा रही है। सरकार ने छात्रों, नौजवानों का भविष्य अंधकार में डाल दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में पेपर माफिया एक के बाद एक परीक्षा के पेपर लीक कर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। पेपर लीक किसी की भी देश के खिलाफ बड़ी साजिश हो सकती है। पुलिस भर्ती की परीक्षा का पेपर लीक होगा तो कानून-व्यवस्था नहीं सुधरेगी, जिससे देश-प्रदेश में अशांति और अस्थिरता बनी रहेगी। लोग कह रहे हैं जो भ्रष्ट लोग कोरोना के वैक्सीन में चुनावी चंदे के नाम पर पीछे से करोड़ों रूपये खा सकते हैं, वो भला परीक्षा-प्रणाली को क्या छोड़ेंगे।

बोले- गंभीरता से जांच हो

दोषियों को कठोर सजा दिलाने की मांग

नीट परीक्षा में घपला होगा तो ईमानदार लोग डॉक्टर नहीं बन पाएंगे। भविष्य में डॉक्टरों की कमी और बढ़ जाएगी। बेईमान लोग जनता के जीवन के लिए खतरा बन जाएंगे। उन्होंने कोर्ट की निगरानी में इसकी जांच कराने और दोषियों को कठोर सजा दिलाने की मांग की।

यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने के फैसले पर बीजपी को घेरा

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा और अभी तक कई परीक्षाओं में हुई धांधली का मुद्दा उठाते हुए कोर्ट द्वारा सख्ती से जांच कराए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ये हमारे देश के लिए मानव संसाधन के खिलाफ साजिश भी

नीट पेपर लीक के सबूत मिले, फिर भी रद्द क्यों नहीं की परीक्षा : गहलोत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नीट परीक्षा के मुद्दे पर एनडीए सरकार को आड़े हाथों लिया है। गहलोत ने सोशल मीडिया पर लिखा कि एनटीए द्वारा आयोजित नेट परीक्षा की गड़बड़ियों को स्वीकार कर पेपर रद्द कर दिया गया। लेकिन नीट परीक्षा में पेपर लीक और बेईमानी के सबूत मिलने के बावजूद इसे रद्द नहीं किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट पेपर लीक के आरोपी विद्यार्थियों ने कबूल किया है कि उन्हें पेपर एक रात पहले ही मिल गया था।

गहलोत ने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि जिन राज्यों में भाजपा की सरकार नहीं है। वहां ऐसी शिकायतें आने पर बीजेपी राजनीतिक फायदे के लिए भ्रामक प्रचार करती है। लेकिन यहां सब कुछ साफ-साफ दिखाई देने के बाद भी भाजपा और एनटीए मौन धारण किए हुए हैं।

आप से हाथ न मिलाते तो ज्यादा सीटें जीत जाते : राजा वडिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुनाम ऊधम सिंह वाला। पंजाब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने आम आदमी पार्टी से गठबंधन पर बड़ा बयान दिया है। वडिंग ने कहा कि पार्टी को आप से गठबंधन करने के बजाय अकेले लोकसभा चुनाव लड़ना चाहिए था। तब कांग्रेस एक सौ का आंकड़ा पार कर जाती। दिल्ली में आप की दस साल की एंटी इन्कबेंसी की कीमत कांग्रेस को चुकानी पड़ी है। दिल्ली की जनता चाहकर भी कांग्रेस को वोट नहीं डाल सकी।

» दिल्ली में पार्टी की हार पर बोले पंजाब कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष

सुनाम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजिंदर सिंह राजा वीरकलां के निवास स्थान पर पहुंचे राजा वडिंग ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि नीट परीक्षा लीक मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में होनी चाहिए। सीबीआई से इंसाफ की उम्मीद नहीं है। सीबीआई तो मणिपुर हिंसा मामले में इंसाफ नहीं दिला सकी है। नीट पेपर लीक के बाद हजारों छात्र डिप्रेशन में चले गए हैं और प्रधानमंत्री चुप्पी साधे हैं।

कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने जांच की मांग की है। केंद्र की ओर से फसलों की एमएसपी में वृद्धि के फैसले पर राजा वडिंग ने कहा कि किसानों को इसकी लीगल गारंटी दी जाए। कागजों में एमएसपी तय करने से कुछ नहीं होगा। पंजाब सरकार ने भी मूंग पर एमएसपी तय की थी लेकिन 11 फीसदी मूंग की खरीद एमएसपी पर हुई शेष फसल तो किसानों को औने पौने दाम पर बेचनी पड़ी थी।

नीट-यूजी में धांधली के खिलाफ कांग्रेस-सपा का प्रदर्शन

» प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को पुलिस ने हिरासत में लिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मेडिकल के स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश की राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) में धांधली के विरोध में कांग्रेस ने लखनऊ में विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को पुलिस ने हिरासत में लिया है। अजय राय के नेतृत्व में पदाधिकारी व कार्यकर्ता पार्टी मुख्यालय से कूचकर विधान भवन का घेराव करने जा रहे थे। वहीं इसी मामले में पूरे प्रदेश में सपा ने भी बीजेपी खिलाफ जोरदार हल्ला बोला। पुलिस ने सपाईयों को भी गिरफ्तार किया।

उधर अजय समेत अन्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया है। अजय राय ने आरोप लगाया कि परीक्षा में तकनीकी गड़बड़ी हुई और अनुचित साधनों का प्रयोग किया गया। भाजपा शासित राज्य उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात व हरियाणा में नीट परीक्षा में गड़बड़ी करने वाले कई आरोपितों को गिरफ्तार भी किया गया है। जिससे पूरी परीक्षा ही आशंका से घिर गई है। भाजपा शासित राज्यों में युवओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। आये दिन पर्चा लीक होने की घटनाएं हो रही हैं। नीट परीक्षा में

फोटो: सुमित कुमार

धांधली को लेकर कानपुर में कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारियों ने डीएम कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इसके साथ ही एबीवीपी कार्यकर्ता ने कार्यालय के बाहर केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला फूंका।

संजय सिंह मामले में 29 जून को होगी अगली सुनवाई

» सांसद के खिलाफ जमानती वारंट जारी करने का आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। आचार संहिता का उल्लंघन करने के मामले में हाजिर नहीं होने पर बृहस्पतिवार को एमपी-एमएलए की विशेष कोर्ट के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह के खिलाफ जमानती वारंट जारी करने का आदेश दिया है। मामले में अगली सुनवाई 29 जून को होगी।

आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने 13 अप्रैल 2021 को बंधुआकलां थाने के हसनपुर गांव में जिला पंचायत सदस्य पद की पार्टी की समर्थित प्रत्याशी सलमा बेगम के पक्ष में सभा की थी। पुलिस ने सांसद समेत 13 नामजद आरोपियों के खिलाफ बिना अनुमति सभा करने के आरोप में आचार संहिता का उल्लंघन करने का केस दर्ज किया था। इस मामले में सभी आरोपियों ने जमानत करा ली है, जबकि सांसद संजय सिंह ने अभी तक जमानत नहीं कराई है। बृहस्पतिवार को कोर्ट ने सांसद संजय सिंह के खिलाफ जमानती वारंट जारी करने का आदेश देते हुए अगली सुनवाई के लिए 29 जून की तिथि नियत कर दी है।

हरियाणा में बिछने लगी चुनावी बिसात

चुनाव से पहले कांग्रेस को लगा झटका

- बीजेपी ने बड़े राजनीति परिवार में लगाई सेंध
- कांग्रेस को होना होगा सचेत
- हुड्डा व शैलजा पर भारी जिम्मेदारी
- भाजपा तीसरी बार सरकार बनाने की जुगत में
- कांग्रेस की कलह खुल कर आई सामने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अभी लोक सभा के चुनाव संपन्न हो गए। अब कई राज्यों में 24 के आखिर व 25 में विधान सभा चुनाव होने हैं। लगभग सभी राज्य व राजनैतिक दल अपने को चुनावों के लिए तैयार करने लगे हैं। पिछले दस साल से ज्यादा से ज्यादा सीटों पर कब्जा करके बीजेपी सभी विपक्षियों को मात दे रही थी। पर इस बार के आम चुनाव में कांग्रेस के इंडिया गठबंधन ने उसको चित करके अपनी ताकत बढ़ाई। कांग्रेस के लिए इस समय सबसे महत्वपूर्ण राज्य हरियाणा है। वहां पर पिछले दस साल से बीजेपी की सरकार हैं। वहां 2019 में भाजपा दसों लोक सभा सीटें जीती थी पर इसबार कांग्रेस ने आधी सीटें जीतकर उसको बैकफुट पर ला दिया है। उधर बीजेपी ने लोस चुनाव से पहले वहां के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को हटाकर नायब सिंह सैनी को सीएम बनाया।

वर्तमान में खट्टर केंद्रीय मत्रिमंडल में शामिल हैं। जहां हरियाणा में तीसरी बार सरकार बनाने के लिए सारे पैंतरे चल रही है तो कांग्रेस भी अपने दिग्गजों को मजबूती प्रदान कर रही है। हरियाणा चुनाव आने वाले हैं पर नेताओं के पाले बदलने के सिलसिले शुरू हो गए हैं। हम आपको बता दें कि हरियाणा में कांग्रेस को झटका देते हुए किरण चौधरी और उनकी बेटी ने मंगलवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। उल्लेखनीय है कि श्रुति चौधरी कांग्रेस की हरियाणा इकाई की कार्यकारी अध्यक्ष थीं। कांग्रेस ने हरियाणा की 10 लोकसभा सीटों में से नौ पर चुनाव लड़ा था, जबकि कुरुक्षेत्र सीट पर विपक्षी गठबंधन इंडियाकी घटक आम आदमी पार्टी (आप) ने चुनाव लड़ा था, लेकिन उसे हार का सामना करना पड़ा था। चुनावों में कांग्रेस और भाजपा ने पांच-पांच सीटें जीती थीं। कांग्रेस ने भिवानी-महेंद्रगढ़ सीट से मौजूदा विधायक और भूपेंद्र सिंह हुड्डा के वफादार राव दान सिंह को टिकट दिया था, जो भाजपा के मौजूदा सांसद धर्मबीर सिंह से हार गए। हम आपको बता दें कि इस सीट से श्रुति पूर्व में सांसद रह चुकी हैं।

हरियाणा की राजनीति में आज तब नया घटनाक्रम सामने आया जब कांग्रेस से इस्तीफा देने के अगले ही दिन हरियाणा की वरिष्ठ नेता किरण चौधरी और उनकी बेटी श्रुति चौधरी ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। हम आपको बता दें कि हरियाणा में विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले किरण और श्रुति ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर तमाम तरह के आरोप लगाते हुए इस्तीफा दिया है। बताया जा रहा है कि हरियाणा कांग्रेस के कुछ और नेता आने वाले समय में कांग्रेस से इस्तीफा दे सकते हैं। दरअसल हुड्डा जिस तरह हरियाणा कांग्रेस को चला रहे हैं उसको देखते हुए पार्टी के नेताओं में बेहद नाराजगी है। पार्टी के नेता दबे स्वर में कह रहे हैं कि आलाकमान ने यदि इस ओर ध्यान नहीं दिया तो हुड्डा के चलते कांग्रेस की चुनावी संभावनाओं को बड़ा नुकसान हो सकता है। भाजपा में शामिल होने के बाद किरण चौधरी ने कहा, नई शुरुआत, एक नया प्रभात। आज सबका साथ, सबका विकास व सबका विश्वास और एक भारत, श्रेष्ठ भारत की संकल्पना हेतु उन्नत क्षेत्र व प्रदेश के उद्देश्य से अपने कार्यकर्ताओं के साथ भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने कहा, हमारा वचन है कि चौधरी बंसीलाल जी के पदचिन्हों का अनुसरण करते हुए हरियाणा व क्षेत्रवासियों के हित में सदैव समर्पित रहेंगे।

बंसीलाल के परिवार से जुड़ी है किरन व श्रुति

हम आपको बता दें कि हरियाणा में कांग्रेस को झटका देते हुए किरण चौधरी और उनकी बेटी ने मंगलवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। उल्लेखनीय है कि श्रुति चौधरी कांग्रेस की हरियाणा इकाई की कार्यकारी अध्यक्ष थीं। इन दोनों का पार्टी छोड़ना कांग्रेस के लिए बड़ा झटका इसलिए है क्योंकि राज्य में इस साल अक्टूबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। हम आपको बता दें कि हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री बंसीलाल की पुत्रवधू किरण चौधरी को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा का चिर प्रतिद्वंद्वी माना जाता है। किरण और उनकी बेटी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अलग-अलग त्यागपत्र भेजे, जिसमें उन्होंने हुड्डा पर निशाना साधा। बताया जाता है कि किरण चौधरी हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में भिवानी-महेंद्रगढ़ निर्वाचन क्षेत्र से श्रुति चौधरी को टिकट नहीं दिए जाने के साथ-साथ राज्य में पार्टी द्वारा टिकटों के समग्र वितरण को लेकर नाराज थीं।

सांसद कुमारी शैलजा ने भी किया था कटाक्ष

कांग्रेस महासचिव और सिरसा से सांसद कुमारी शैलजा ने भी 12 जून को हुड्डा पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए कहा था कि यदि आलाकमान को उचित 'फीडबैक' दिया गया होता और ''स्वार्थ की राजनीति'' नहीं की गई होती, तो पार्टी हरियाणा से सभी लोकसभा सीटें जीत सकती थी। किरण और श्रुति के इस्तीफे पर शैलजा ने कहा कि पार्टी का कोई भी सदस्य अगर छोड़ कर जाता है तो दुख होता ही है।

भाजपा ने बनाई चुनाव की रणनीति

हम आपको यह भी बता दें कि भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने इस साल के अंत में होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की रणनीति पर चर्चा करने के लिए सोमवार को एक बैठक की थी। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता में पार्टी मुख्यालय में हुई बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और कृष्ण पाल गुर्जर मौजूद थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित भाजपा के हरियाणा कोर ग्रुप के नेता भी इस मौके पर मौजूद थे। नड्डा द्वारा हरियाणा के लिए पार्टी का चुनाव प्रभारी नियुक्त किए जाने के कुछ ही घंटों के भीतर यह बैठक हुई। यह बैठक हरियाणा विधानसभा चुनाव की तैयारियों को गति देने के मद्देनजर बुलाई गई थी। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब को पार्टी का सह-चुनाव प्रभारी बनाया गया है। वह वर्तमान में भाजपा के हरियाणा मामलों के संगठन प्रभारी भी हैं।

मां और बेटी ने लिखा था कांग्रेस नेतृत्व को पत्र

किरण चौधरी ने कांग्रेस अध्यक्ष को अपने पत्र में लिखा था कि कांग्रेस की हरियाणा इकाई को ''निजी जागीर'' के रूप में चलाया जा रहा है, जबकि श्रुति चौधरी ने हुड्डा का स्पष्ट संदर्भ देते हुए आरोप लगाया था कि प्रदेश इकाई एक ऐसे व्यक्ति के इर्द-गिर्द केंद्रित है, जिसने अपने ''स्वार्थ'' और ''तुच्छ हितों'' के लिए पार्टी के हितों से समझौता कर लिया। किरण चौधरी ने खरगे को त्यागपत्र में लिखा है, ''यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि हरियाणा में कांग्रेस पार्टी को निजी जागीर के रूप में चलाया जा रहा है, जिसमें मेरी जैसी ईमानदार आवाज के लिए कोई स्थान नहीं छोड़ा जा रहा है, जिन्हें अत्यंत सुनियोजित और व्यवस्थित तरीके से दबाया, अपमानित किया गया और मेरे विरूद्ध षड्यंत्र किया जा रहा है।'' किरण ने लिखा, ''इस प्रकार, हमारे लोगों का प्रतिनिधित्व करने और उन मूल्यों को बनाए रखने के मेरे परिश्रमी प्रयासों में महत्वपूर्ण बाधा उत्पन्न हो रही है, जिनके लिए मैं हमेशा खड़ी रही हूं।' हुड्डा पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए

किरण चौधरी ने कहा, ''उन्होंने मुझे हाशिये पर धकेल दिया। अपमान की एक सीमा होती है। खरगे को भेजे अपने त्यागपत्र में किरण चौधरी ने लिखा, ''मैं पिछले चार दशकों से कांग्रेस की एक निष्ठावान सदस्य रही हूं और इन वर्षों में मैंने अपना जीवन पार्टी और उन लोगों के लिए समर्पित कर दिया, जिनका मैं प्रतिनिधित्व करती हूं। हुड्डा के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के दौरान मंत्री रहीं किरण चौधरी ने कहा, ''हरियाणा में मैं आधुनिक हरियाणा के निर्माता दिवंगत चौधरी बंसीलाल और अपने दिवंगत पति चौधरी सुरेन्द्र सिंह की समृद्ध विरासत का भी प्रतिनिधित्व करती हूं।'' किरण चौधरी ने कहा कि उनका उद्देश्य और लक्ष्य शुरू से ही अपने राज्य और देश के लोगों की सेवा करना रहा है। किरण चौधरी ने खरगे को भेजे अपने त्यागपत्र में लिखा, ''अपने लोगों और कार्यकर्ताओं की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए मैं एक नयी शुरुआत करने को बाध्य हूं।'' दोनों ने जनता की सेवा करने का मौका देने के लिए खरगे, कांग्रेस नेतृत्व और पार्टी को धन्यवाद दिया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

लैंगिक अंतर के आंकड़ों पर उठे सवाल

पूरी दुनिया में आधी आबादी को उसके हक से वंचित किया जा रहा है। दरअसल, विश्व आर्थिक मंच द्वारा हाल में प्रस्तुत किये गए लैंगिक अंतर के आंकड़ों ने एक ज्वलंत प्रश्न खड़ा किया है कि शिक्षा, आय, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में आधी दुनिया को उसका हक क्यों नहीं मिल पा रहा है? निस्संदेह, हमारे सत्ताधीशों को सोचना चाहिए कि लैंगिक अंतर सूचकांक में भारत 146 देशों में 129वें स्थान पर क्यों है? लगातार महिलाओं की दोयम दर्जा की स्थिति का बना रहना नीति-नियंताओं के लिये आत्ममंथन का मौका हैं। निश्चय ही यह स्थिति भारत की तरक्की के दावों से मेल नहीं खाती। इसके बावजूद उम्मीद जगाने वाला तथ्य है कि पिछले वर्ष जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं की एक तिहाई हिस्सेदारी को लेकर विधेयक पारित हो चुका है। इसके बावजूद हाल में सामने आए आंकड़े परेशान करने वाले हैं और तरक्की के दावों पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं। यह विचारणीय प्रश्न है कि सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक नीतियां बनाने और कायदे कानूनों में बदलाव के बावजूद लैंगिक असमानता की खाई गहरी क्यों होती जा रही है। लैंगिक अंतर सूचकांक में पिछले साल भारत 127वें स्थान पर था, जो 2022 में 135वें स्थान से 1.4 प्रतिशत अंक और आठ पायदान ऊपर था। लेकिन इस वर्ष फिर दो पायदान ऊपर चढ़ा है।

सूचकांक में भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश को 99वें, चीन को 106वें, नेपाल को 117वें, श्रीलंका को 122वें, भूटान को 124वें और पाकिस्तान को 145वें स्थान पर रखा गया है। आइसलैंड (93.5 फीसदी) फिर से पहले स्थान पर है और डेढ़ दशक से सूचकांक में सबसे आगे है। शीर्ष 10 में शेष नौ अर्थव्यवस्थाओं में से आठ ने अपने अंतर का 80 फीसदी से अधिक हिस्सा पाट लिया है। निश्चित तौर पर किसी भी समाज में पूर्ण लैंगिक समानता हासिल करने में लंबा समय लगता है, लेकिन इस दिशा में सत्ताधीशों की तरफ से ईमानदार पहल होनी चाहिए। भारत में महिलाओं की उपेक्षा, भेदभाव, अत्याचार एवं असमानता की स्थितियों का बना रहना विडम्बनापूर्ण हैं। भारत में रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं को समान अधिकार दिलाने के स्वर तो बहुत सुनने को मिलते हैं, महिलाओं को आजादी के बाद से ही मतदान का अधिकार भी पुरुषों के बराबर दिया गया है, परन्तु यदि वास्तविक समानता की बात करें तो भारत में आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बाद भी महिलाओं की स्थिति चिन्ताजनक एवं विसंगतिपूर्ण है। महिलाएं ही समस्त मानव प्रजाति की धुरी हैं। वो न केवल बच्चे को जन्म देती हैं बल्कि उनका भरण-पोषण और उन्हें संस्कार भी देती हैं। महलाओं के उत्थान के लिए भारत सरकार को जरूरी कदम उठाने होंगे। सरकार को अपनी लैंगिकवादी सोच को छोड़ना पड़ेगा।

निश्चय ही यह स्थिति भारत की तरक्की के दावों से मेल नहीं खाती। इसके बावजूद उम्मीद जगाने वाला तथ्य है कि पिछले वर्ष जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं की एक तिहाई हिस्सेदारी को लेकर विधेयक पारित हो चुका है। इसके बावजूद हाल में सामने आए आंकड़े परेशान करने वाले हैं और तरक्की के दावों पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नयी सरकार के समक्ष ज्वलंत सुरक्षा चुनौतियां

डॉ. लक्ष्मी शंकर यादव

नवगठित एनडीए सरकार में राजनाथ सिंह को रक्षा मंत्री बनाया गया है। वे पिछली सरकार में भी रक्षा मंत्रालय का कामकाज देख रहे थे। रक्षा मंत्री के तौर पर दूसरे कार्यकाल में राजनाथ सिंह के लिए अग्निपथ योजना की समीक्षा करके उसे आकर्षक बनाने का काम अत्यन्त सामयिक एवं ज्वलंत है। इसके अलावा सैन्य सुधारों को लागू करना, इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड का गठन, हथियारों के आयात में कमी करना, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाना, पाकिस्तान व चीन सीमा पर बने तनाव से निपटने के रास्ते निकालने की जिम्मेदारी के साथ ही रक्षा बजट अधिक करवाना है।

अग्निपथ योजना के तहत भर्ती होने को लेकर युवाओं ने शुरुआत से ही नाराजगी जाहिर कर दी थी। यह बात अलग है कि बाद में नवयुवक इस योजना में भर्ती होने लग गए थे। सेवानिवृत्त सैनिकों ने इस योजना का विरोध करते हुए सवाल उठाए थे। इसके अलावा कुछ विपक्षी दलों ने अग्निपथ योजना का मुद्दा जोर-शोर से उठाया।

उल्लेखनीय है कि इस योजना में युवाओं को चार साल के लिए भर्ती किया जाता है। इस योजना के 25 प्रतिशत जवानों को ही स्थाई होने का अवसर मिलेगा। शेष जवानों को अन्य क्षेत्रों में रोजगार तलाशना पड़ेगा। स्थाई सैनिकों की तुलना में इन्हें केवल 30 दिन की छुट्टी मिलती है। अब इस योजना में सुधार को लेकर सेना के भीतर से ही कुछ सुझाव मिले हैं। इसलिए इसकी समीक्षा किए जाने की बात चल रही है। रक्षा मंत्री पहले ही कह चुके हैं कि अग्निपथ योजना में यदि बदलाव की आवश्यकता हुई तो वे करने को तैयार हैं। सैनिक सुधार करना सरकार के एजेंडे में शामिल है। सैन्य सुधारों में सबसे प्रमुख सेना के तीनों अंगों थल सेना, वायु सेना एवं नौसेना को मिलाकर एकीकृत थिएटर कमांड का गठन करना है। इसमें नए सेनाध्यक्ष की भूमिका प्रमुख होगी। विदित हो कि मोदी सरकार के नेतृत्व में वर्ष 2019 में थिएटर कमांड बनाए जाने का निर्णय हुआ था। उसी समय जनरल बिपिन रावत को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ बनाया गया था।

इस योजना का उद्देश्य छोटी-बड़ी लड़ाइयों के समय अपने निश्चित सामरिक लक्ष्यों के साथ विशिष्ट शत्रु आधारित थिएटरों में संयुक्त अभियानों के लिए थल सेना, वायु सेना एवं नौसेना को एकीकृत करना है। भारतीय सशस्त्र बल थिएटर कमांड के गठन की तैयारियों को पूरा करने में लगे हुए हैं। वर्ष 2019 के तहत रक्षा क्षेत्र में भी आत्मनिर्भरता को काफी बढ़ावा दिया गया है। परिणाम यह हुआ कि भारत के रक्षा उद्योग में सैन्य साजो-सामान का उत्पादन काफी बढ़ गया है। स्वदेशी तकनीक से बनी मिसाइलों, हल्के लड़ाकू विमान तेजस, ध्रुव हेलीकॉप्टर, स्कॉरपियन श्रेणी की पनडुब्बियों ने देश के रक्षा क्षेत्र को काफी आगे बढ़ा दिया है। इस कारण भारत के रक्षा निर्यात में काफी बढ़ोतरी हो गई। पिछले वित्तीय वर्ष में भारत का सैन्य निर्यात 21083 करोड़ रुपये तक पहुंच

से अब तक की अवधि में निचले स्तर पर सेवाओं को एकीकृत करने के कुछ प्रयास किए गए हैं। बीते पांच वर्षों में थिएटर कमांड के लिए उत्तम संभव मॉडल पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए अनेक मसौदे तैयार किए गए। अब सरकार गठन के बाद इस पर विचार किए जाने की उम्मीद है। मार्च, 2024 में स्वीडन स्थित स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि भारत संसार के शीर्ष हथियार आयातक देशों में शामिल है। यह संस्था दुनियाभर में हथियारों की खरीद-फरोख्त पर नजर रखती है और प्रतिवर्ष अपनी रिपोर्ट जारी करती है। सिपरी की रिपोर्ट में बताया कि भारत ने 2019 से 2023 तक पांच वर्षों में दुनिया से 9.8 फीसदी हथियार आयात किए। आवश्यक है कि हथियारों के मामले में दूसरे देशों पर भारत की निर्भरता कम की जाए। यह कार्य कैसे किया जाए इससे रक्षा मंत्री को निपटना होगा। बीते दो दशकों से मोदी सरकार ने मेक इन इंडिया पर जोर दिया है। इसी अभियान गया। फिलीपींस, पोलैण्ड तथा अफ्रीकी देशों ने भारत निर्मित मिसाइलों, विमानों और हेलीकॉप्टरों की खरीद में रुचि दिखाई है। जरूरत है, भारत का रक्षा मैन्युफैक्चरिंग इतना आगे बढ़े कि रक्षा आयात कम किया जा सके।

रक्षा मंत्री को पाकिस्तान व चीन की सीमा पर मिलने वाली चुनौतियों से निपटने की सैन्य तैयारियां भी बढ़ानी हैं। जहां पाकिस्तान भारतीय सीमा के नजदीक किसी भी युद्ध संबंधी स्थिति से निपटने के लिए चीन की मदद से बंकर तैयार करने के साथ-साथ अत्याधुनिक हथियार ले रहा है वहीं दूसरी तरफ चीन के साथ भी तनाव बना हुआ है। वर्ष 2020 में पैदा हुए तनाव के बाद से अभी तक 21 दौर की वार्ता के बाद भी स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। अप्रैल, 2020 से पहले की स्थिति बहाल नहीं हुई। इसीलिए चीन व पाकिस्तान की सीमा पर जवान डटे हुए हैं। रक्षा मंत्री के लिए एलएसी तथा एलओसी पर शांति व स्थिरता बनाए रखने की चुनौती होगी।

तीसरी पारी में मोदी के समक्ष वैश्विक चुनौतियां

जी. पार्थसारथी

भले ही कुछ आलोचकों का स्वभाव है भारत की आर्थिक नीतियों पर नुक्ताचीनी करना, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय तौर पर मान्य है कि अपने आर्थिक उदारवाद के साथ -किसी समय रहे लाइसेंस, परमिट, कोटा राज के अंत के बाद- भारत की आर्थिक वृद्धि दर तेजी से बढ़ रही है। स्वयं भारत और दुनिया भी मानती है कि इस बदलाव के मुख्य सूत्रधार डॉ. मनमोहन सिंह थे, जिनका योगदान देश के प्रधानमंत्री रहते हुए भी सर्वमान्य रहा। यह गौरतलब है कि मुक्त अर्थव्यवस्था बनाने को उनके उठाए कदम नए आयामों में बदल गए। दुनिया भी मानती है कि भारत विश्व की सबसे तेजी से तरक्की करती अर्थव्यवस्था है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का आकलन है कि इस साल भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.6 फीसदी रहेगी।

हालांकि, भारत उच्च आर्थिक विकास दर पाने की ओर अग्रसर है किंतु यह बात ध्यान में रखनी होगी कि विश्व में इसका रुतबा और प्रभामंडल अधिकांशत: मजबूत आर्थिकी एवं तकनीकी तरक्की से ही तय होगा। इस जरूरी आवश्यकता के चलते, एकदम साथ लगते पड़ोसियों से संबंध सुदृढ़ करने के अलावा भारत के समक्ष विकल्प कम ही हैं। इस ढंग के, जिनसे सुरक्षा एवं शांति सुनिश्चित हो, पश्चिम में लाल सागर-फारस की खाड़ी से लेकर पूरब में मलक्का की खाड़ी तक के इलाके में। अब यह व्यापक तौर पर मान्य है कि जो मुख्य चुनौतियां भारत के सामने अपनी सीमाओं पर और उनसे पार हैं, वे चीन की विस्तारवादी महत्वाकांक्षा और नीतियों से उपजी हैं। लंबे समय तक भारत तेल संपन्न खाड़ी क्षेत्र से नजदीकी रिश्ते बनाने की आकांक्षा रखता आया है, जहां पर लगभग 60 लाख भारतीय कामगार रोजी-रोटी कमा रहे हैं। एक ओर भारत ने सऊदी अरब के साथ नजदीकी संबंध स्थापित कर लिए हैं, वहीं दूसरी तरफ यूएई के साथ पहले से अच्छे संबंधों को और प्रगाढ़ किया जा रहा है। अमेरिका और सऊदी अरब के बीच रिश्ते पुन: मधुर बनाने में भारत की भूमिका अहम रही, जब अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा सऊदी अरब के राजपरिवार को लेकर की गई नागवार टिप्पणी के बाद, सऊदी अरब की पलटवार बयानबाजी के बाद इनके संबंध तल्ख हो गए थे।

अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक स्लिवन और सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान के बीच हुई वार्ता में यूएई के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शेख तहनून बिन ज़ायद अल नाहयान भी उपस्थित थे। इन वार्ताओं के एक सूत्रधार भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल थे। यूएई, अमेरिका और भारत के बीच सहयोग बढ़ाने के वास्ते एक समझौता हुआ और जल्द ही अंतिम प्रारूप पर दस्तखत किए गए। अब पड़ोस के छह अरब राष्ट्रों सहित हिंद महासागर क्षेत्र के पश्चिमी किनारे तक के इलाके में उत्तरोतर सकारात्मक एवं सहयोगात्मक भूमिका निभाने के लिए भारत का मंच तैयार है। भारत-अमेरिकी संबंध तब से अधिक प्रगाढ़ होते गए जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने तय किया कि हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती ताकत से संतुलन बैठाना भारत के बस की बात है और वह यह करना भी चाहेगा।

दोस्ती के नाटक के बावजूद चीन की नीतियां भारत के प्रभाव को सीमित करने से बंधी हुई हैं। चीन पाकिस्तान के मिसाइल एवं परमाणु क्षमताओं को मजबूती देने का काम जारी रखे हुए है। भारत की अफगानिस्तान की तरफ लगती पश्चिमी सीमा के साथ और परे, चीन पाकिस्तान के साथ निकट सहयोग बनाकर काम कर रहा है। ईरान के साथ रिश्ते मजबूत करने के भारत के हालिया प्रयास, जिसमें सामरिक रूप से अहम चाबहार बंदरगाह का विकास कार्य शामिल है, इससे जहां भारत को मध्य एशिया तक और अधिक आर्थिक एवं नौवहनीय पहुंच बनाने में मदद मिलेगी, वहीं अफगानिस्तान तक भारत की पहुंच को अड़ंगे लगाने के पाकिस्तानी प्रयासों की गुंजाइश कम बचेगी। ईरान के साथ भारत के बढ़ते रिश्तों पर अमेरिका ने पहले एतराज जताया था, लेकिन अब लगता है कि बाद में विचार करने पर, उसे ईरान से होकर, अफगानिस्तान के साथ जोड़ता भारत का परिवहन गलियारा बनाना स्वीकार्य है। उम्मीद के मुताबिक पाकिस्तान इस परिवहन गलियारे से खुश नहीं है, क्योंकि इससे रावलपिंडी के सेना मुख्यालय में बैठे पाकिस्तानी जनरलों को भारत की ईरान, अफगानिस्तान और आगे मध्य एशिया तक बनती पहुंच में रोड़े अटकाने का मौका नहीं मिलता। आगे चलकर यह गलियारा अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे से जुड़ने में भारत का एक अहम आवाजाही द्वार बन जाएगा, इसके होकर भारत पहले मध्य एशिया और रूस से जुड़ेगा, तो अंतिम छोर में, यूरोप तक समुद्री, रेल और सड़क मार्ग से जुड़ जाएगा।

भारत-अमेरिका संबंधों पर जिस अहम कारक की छाया पड़ी है, वह है अमेरिकी मीडिया द्वारा भारत में लोकतांत्रिक आजादी पर कथित कुठाराघात को लेकर हो रही निरंतर आलोचना। आमतौर पर महसूस किया जाता है कि इस मीडिया आलोचना को राष्ट्रपति बाइडेन का समर्थन हासिल है। यह भी माना जा रहा है कि यदि साल के अंत में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में भारत के प्रति दोस्ताना रखने वाले ट्रंप विजयी हुए तो इस किस्म की आलोचनाएं बंद हो जाएंगी। हो सकता है भारत उन कुछ देशों में एक हो, जिसके नेतृत्व और लोगों को राष्ट्रपति ट्रंप मित्रवत और बेबाक लगें, जब वे भारत आए थे। चीन को लेकर ट्रंप में न तो कोई भ्रम है न ही उम्मीदें और पाकिस्तान के बारे में सोचने की तरफ भी उनका झुकाव कम ही रहा है।

दूध का शरबत

दूध का शरबत कई खास मौकों पर बनाया जाता है। ये बहुत ही स्वादिष्ट और मलाईदार होता है। इसे आप बहुत ही आसानी से घर पर बना सकते हैं। इस ड्रिंक को बनाने के लिए आपको ज्यादा सामग्री की जरूरत भी नहीं होगी। इसे आपक कुछ ही मिनटों में तैयार कर सकते हैं। गर्मियों के लिए दूध से बना ये ड्रिंक आपको गर्मी से राहत पहुंचाने का काम करेगा। इसके लिए सबसे पहले एक बाउल में काजू, बादाम और पिस्ता को डालें। इसके बाद बाउल में गर्म पानी डालकर ड्राई फ्रूट्स को 10 मिनट के लिए भिगोएं। इसके बाद सभी चीजों को मिक्सर जार में डालें और ऊपर से 2 टेबलस्पून दूध डालकर ग्राइंड कर सॉफ्ट पेस्ट तैयार कर लें। अब एक बड़ी कड़ाही लें और उसमें दूध डालकर मीडियम आंच पर गर्म करें। थोड़ी देर बाद दूध में केसर डालकर चम्मच से मिलाएं और इसके बाद दूध को तब तक उबालें जब तक कि थोड़ा गाढ़ा न हो जाए। अब एक छोटी कटोरी में कस्टर्ड पाउडर और आधा कप दूध डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर दें।

ठंडाई

गर्मियों में ठंडी-ठंडी ठंडाई मिल जाए तो मजा ही आ जाए। ठंडाई की सामग्री आपको आसानी से बाजार में मिल जाएगी। आपको बस इस सामग्री को दूध में मिलाकर, चीनी और रोज सिरप मिलाकर ठंडाई बना सकते हैं। गर्मियों में शाम के समय घर के सारे दूध में इस ठंडाई को मिलाकर सेवन करें। यह आपको गर्मियों की चिलचिलाती गर्मी से तो बचाएगा ही, साथ ही गर्मियों में बादाम का पोषण भी देगा।

कोल्ड कॉफी

किसी रेस्तरां में कोल्ड कॉफी पर आप पैसे खर्च कर देते हैं। बाजार जैसी कोल्ड कॉफी घर पर ही बनाकर पीएं। इसमें दूध, चीनी, कॉफी और चॉकलेट पाउडर का इस्तेमाल करें। आइस क्यूब मिलाकर मिक्सर में अच्छे से शेक कर सकते हैं। इससे झागदार कोल्ड कॉफी बनकर तैयार हो जाएगी। आइस्ड कॉफी आपको कैलोरी जलाने और अतिरिक्त वजन कम करने में मदद कर सकती है। इसमें कैफीन होता है जो आपके रक्त में एड्रेनालाईन हार्मोन को बढ़ाकर वसा को जलाता है। वजन बनाए रखने के लिए आप आदर्श मात्रा में आइस्ड कॉफी ले सकते हैं।

दूध से तैयार इन ड्रिंक्स से मिलेगी शरीर को ठंडक

गर्मी के दिनों में मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ जाता है। इस मौसम में सर्दी-जुकाम, गले में खराश, त्वचा का इन्फेक्शन, यूटीआई, वायरल फ्लू जैसी बीमारियों का खतरा ज्यादा होता है। ऐसी बीमारियों से बचने के लिए इम्यूनिटी मजबूत होनी चाहिए। अगर आपके शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है, तो आप आसानी से बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। मौसमी बीमारियों से बचने के लिए दूध पीना चाहिए। दूध में मौजूद पोषक तत्व, शरीर की इम्यूनिटी को मजबूत बनाते हैं। लेकिन इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए सादा दूध काफी नहीं है। आप दूध को कई चीजों के साथ मिलाकर पी सकते हैं। अक्सर बच्चे और युवा दूध पीने में आनाकानी करते हैं। किसी को दूध की गंध तो किसी को दूध का स्वाद पसंद नहीं होता। गर्मियों का मौसम है। इस मौसम में खुद को तरोताजा और ताकतवर बनाए रखने के लिए दूध की कुछ रेसिपी बनाकर उनका सेवन किया जा सकता है। इससे शरीर को दूध के जरिए मिलने वाला पोषण, स्वाद और गर्मी में ठंडक का अहसास हो सकता।

मिल्क शेक

बच्चों को दूध भले ही पसंद न हो, लेकिन गर्मियों में शेक जरूर पसंद आ सकता है। आप मिल्क शेक, मैंगो शेक, बनाना शेक या बच्चे के पसंदीदा फ्लेवर का शेक बना सकते हैं। मिल्क शेक बनाने के लिए कोई भी फल या चॉकलेट पाउडर, थोड़ी चीनी, ठंडा दूध, और आइस क्यूब की जरूरत होती है। इन सभी को अच्छे से मिक्स करके शेक बनाया जा सकता है। ऊपर से चेरी, ड्राई फ्रूट्स या आइसक्रीम से गार्निश कर सकते हैं। जैसे बनाना शेक में विटामिन सी, विटामिन बी-6 भरपूर मात्रा में मिलता है। इसके अलावा इसमें फाइबर भी काफी अच्छी मात्रा में होता है। यह पाचन तंत्र को काफी फायदा पहुंचाता है। बनाना शेक कब्ज और पेट के लिए काफी लाभदायक है।

हंसना मना है

बेटे की जैकेट में से सिगरेट, गुटखे निकले...बाप ने बेटे को खूब मारा और पूछा कब से चल रहा है ये सब...तभी मम्मी बोली आप उसे बोलने तो दो...बेटा- पापा मुझे क्यों मार रहे हैं ये तो जैकेट आप की ही है...बस तब से मम्मी के डर से पापा की बोलती बंद है।

साली- अगर रात में मच्छर काटे तो क्या करना चाहिए? जीजा- चुपचाप कंबल ओढ़कर सो ही जाना चाहिए क्योंकि आप रजनीकांत तो हैं नहीं जो मच्छर से सॉरी बुलवा लेंगे।

पत्नी- मैं बचूंगी नही मर जाउंगी! पति - मैं भी मर जाऊंगा! पत्नी- मैं तो बीमार हूं लेकिन तुम किसलिए? पति - मैं इतनी खुशी बर्दास्त नही कर पाउंगा...

एक आदमी कॉकरोच को मार रहा था। मरने से पहले कॉकरोच ने आदमी से आखिरी बार बोला, 'मार दे मुझे! डरपोक कहीं के! तू मुझसे इसलिए चिढ़ता है क्योंकि तेरी बीवी मुझसे डरती है, तुझसे नहीं।

एक लेडी छोटे बच्चे को गोद में लिए हुए लिफ्ट में दाखिल हुई, मैंने लिफ्ट का बटन दबाते हुए पूछा- चौथा या पांचवा, लेडी मुंह फुलाते हुए गुस्से से बोली- मेरा नहीं है, पड़ौसन का है !

कहानी | कुम्हार

एक गांव में युधिष्ठिर नाम का एक कुम्हार रहा करता था। वह मिट्टी के बर्तन बनाता था और जो भी पैसे मिलते थे, उनसे शराब खरीद कर पी लेता। एक रात वह शराब के नशे में इतना नशे में था कि ठीक से चल भी नही पा रहा था। और लड़खड़ाकर वह जमीन पर गिर पड़ा। जमीन पर कांच के टुकड़े पड़े थे, जो उसके माथे में घुस गया। और खून बहने लगा। वह किसी तरह अपने घर पहुंचा। अगले दिन जब उसे होश आया तो वह वैद्य के पास गया और पट्टी करवाकर दवाई ली। वैद्य ने कहा, घाव गहरा होने के कारण इसे भरने में समय लगेगा। अचानक उसके गांव में सूखा पड़ गया। सभी लोग गांव छोड़ कर जाने लगे। कुम्हार ने भी गांव छोड़ कर दूसरे देश की तरफ निकल गया। वह राजा के दरबार में नौकरी मांगने गया। वहां राजा ने उसके माथे पर चोट का निशान देखा और सोचा, यह जरूर कोई पराक्रमी योद्धा होगा और दुश्मन से लड़ते समय इसके माथे पर चोट लगी होगी। यह सोचकर राजा ने उसे अपने दरबार में एक खास जगह दे दी और उस पर विशेष ध्यान देने लगे। यह देख कर राजा के दरबार में मौजूद राजकुमार, सेनापति और अन्य मंत्री उससे जलने लगे। एक दिन शत्रुओं ने राजा के महल पर हमला कर दिया। राजा ने अपनी पूरी सेना को युद्ध के लिए तैयार किया। युधिष्ठिर जब युद्ध भूमि की तरफ जा रहा था तो राजा ने पूछा कि उसके माथे पर यह चोट किस युद्ध में लगी। कुम्हार ने सोचा कि अब वह राजा का भरोसा जीत चुका है और अब अगर वह राजा को सच बता देगा तो कोई समस्या नहीं होगी। उसने राजा ने कहा, राजन, मैं कोई योद्धा नहीं हूं। मैं तो एक साधारण-सा कुम्हार हूं। यह चोट मुझे किसी युद्ध में नहीं, बल्कि शराब पीकर गिरने के कारण लगी थी। यह सुनकर राजा को बहुत गुस्सा आया। उसने कहा, तुमने मेरा विश्वास तोड़ा है तुम मेरे राज्य से निकल जाओ, कुम्हार ने राजा से बहुत मिन्नतें की, उसने कहा कि अगर उसे मौका मिले, तो वह युद्ध में राजा के लिए प्राण भी दे सकता है। राजा ने कहा, तुम चाहे जितने भी वीर और पराक्रमी हो, लेकिन तुम शूरवीरों के कुल से नहीं हो। तुम्हारी हालत शेरों के बीच रहने वाले उस गीदड़ की तरह है, जो हाथी से लड़ने की जगह उससे दूर भागने की बात करता है। मैं तुम्हे जाने दे रहा हूं, लेकिन अगर राजकुमारों को तुम्हारा राज पता चल गया, तो वो तुम्हें मार डालेंगे। इसलिए, कहता हूं कि अपनी जान बचाओ और भाग जाओ। कुम्हार ने राजा की बात मानी और तुरंत उस राज्य को छोड़ कर चला गया।

7 अंतर खोजें

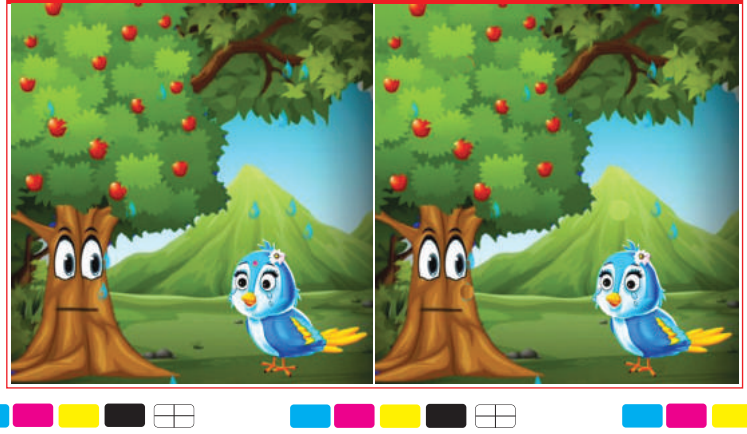

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है।

वृषभ

व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। विवाद से बचें। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। व्यापार ठीक चलेगा।

मिथुन

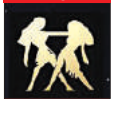

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लंबी यात्रा हो सकती है। लाभ होगा। नए अनुबंध हो सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी।

कर्क

आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कोई बड़ा कार्य कर पाएंगे। व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

सिंह

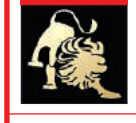

तीर्थदर्शन हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण व लाभदायक रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल रहेगा। शेयर मार्केट में जोखिम न लें।

कन्या

वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग से हानि की आशंका है, सावधानी रखें। दूसरों के झगड़ों में हस्तक्षेप न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्षोभ होगा।

तुला

शत्रुओं का पराभव होगा। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

वृश्चिक

संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। प्रॉपर्टी ब्रोकर्स के लिए सुनहरा मौका साबित हो सकता है। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि के योग हैं।

धनु

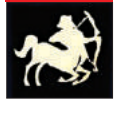

मेहनत का फल पूरा नहीं मिलेगा। स्वास्थ्य खराब हो सकता है। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है।

मकर

लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। शोक संदेश मिल सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी के उकसाने में न आएं।

कुम्भ

मेहनत सफल रहेगी। बिगड़े काम बनेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने के अवसर मिलेंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी।

मीन

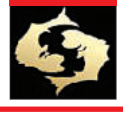

पुराने संगी-साथी व रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। नए मित्र बनेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यों में गति आएगी। विवेक का प्रयोग करें।

बॉलीवुड | मन की बात

वक्त आ गया है मुझे अब माफ कर दिया जाए : मीरा राजपूत

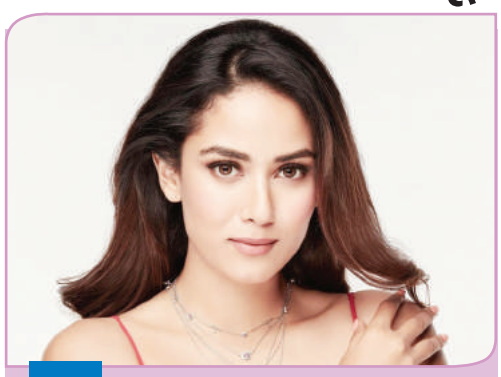

शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। एक्टर की पत्नी होने के साथ-साथ मीरा बिजनेसपर्सन भी हैं। साथ ही वो अपने दोनों बच्चों मीशा और जैन का ख्याल भी रखती हैं। साल 2017 में मीरा ने कामकाजी महिलाओं को लेकर एक बड़ा बयान दिया था, जिसके बाद उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। अब इसपर स्टार वाइफ ने सफाई दी है। 2017 में एक इवेंट के दौरान मीरा राजपूत ने वर्किंग मदर्स के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा था कि उनकी बेटी कोई पपी (कुत्ते का पिल्ला) नहीं है। साथ ही उन्होंने सवाल उठाया था कि अगर महिलाएं अपने बच्चों के साथ वक्त नहीं बिता सकतीं तो उन्हें पैदा क्यों करना। अब अपने लेटेस्ट इंटरव्यू में मीरा ने कहा कि उन्हें लेकर सबसे बड़ी गलत धारणा ये है कि वो कामकाजी मांओं को नीचे दर्जे का मानती हैं। साथ ही उन्होंने अपने पुराने कमेंट को लेकर अफसोस भी जाहिर किया। मीरा राजपूत ने कहा कि उन दिनों उन्हें लग रहा था कि लोगों ने उन्हें दरकिनार कर दिया है। क्योंकि तब लोग उनपर सवाल उठा रहे थे कि एक पढ़ी-लिखी महिला ने घर पर रहने वाली मां बनना क्यों चुना और क्यों उन्होंने अपनी जिंदगी में कंजरवेटिव अप्रोच चुनी। मीरा का मानना था कि लोगों की ये सोच अनुचित है। उन्होंने कहा कि उन दिनों वो अपने बच्चों को वक्त देना चाहती थीं। उन्होंने कहा, मुझे पुरानी सोच वाली बातें कहने के लिए दरकिनार कर दिया गया था। मुझे लगता है कि मैंने चीजों को बस कह दिया था। मुझे नहीं लगता कि मैं अब उनसे सहमत हूं। मुझे लगता है मैं काफी सफर तय करके यहां तक पहुंची हूं। मीरा ने माना कि उनकी कही बातों को अच्छा नहीं माना गया था। वो बोलीं, मैं समझ सकती हूं कि इसे अच्छे से क्यों नहीं लिया गया। मुझे लगता है मैं तब इमोशनल फेज में थी। मैं अपनी चॉइस को डिफेंड करने की कोशिश कर रही थी ताकि वो जायज साबित हो सकें। मीरा ने ये भी कहा कि उन्हें अफसोस है कि उन्होंने ऐसी बातें कहीं।

सबसे बड़ी एक्शन फिल्म से साउथ में डेब्यू करेंगे सनी

गदर 2 की धुआंधार कामयाबी से सनी देओल ने बॉलीवुड में ऐसा कमबैक किया है, जिसकी कहानी लोग हमेशा याद रखेंगे। इस तगड़ी सक्सेस की लहर पर सवार सनी के पास एक से बढ़कर एक फिल्मों के ऑफर आ रहे हैं और उनके पास प्रोजेक्ट्स की लाइन लगी पड़ी है। मगर अब सनी अपने स्टारडम को एक लेवल और ऊपर ले जाने के लिए तैयार हैं।

सनी ने अब अपना नया प्रोजेक्ट अनाउंस किया है जिससे उनका तेलुगू डेब्यू भी होने जा रहा है। इस प्रोजेक्ट के लिए सनी ने तेलुगू सिनेमा को मास फिल्में देने वाले चर्चित डायरेक्टर्स में से एक गोपीचंद मलिनेनी से हाथ मिलाया है। फिलहाल फिल्म को एसडीजीएम कहा जा रहा है जो सनी और गोपीचंद के नामों के इनिशियल्स भी हैं। सनी ने सोशल मीडिया पर फिल्म की अनाउंसमेंट शेयर की। उनकी पोस्ट में लिखा है, देश की सबसे बड़ी एक्शन फिल्म के लिए तैयार हो जाइए- एसडीजीएम पोस्ट में बताया गया कि सनी देओल के लीड रोल वाली सी फिल्म को गोपीचंद मलिनेनी डायरेक्ट कर रहे हैं। मैत्री

मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री एसडीजीएम के प्रोड्यूसर्स हैं।

फिल्म में सनी के साथ रॉकेट बॉयज फेम रेजीना कसांड्रा और सैयामी खेर काम कर रही हैं। फिल्म की पूजा सेरेमनी से तस्वीरें सामने आई हैं जिसमें दोनों एक्ट्रेसेज और गोपीचंद, सनी के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। गोपीचंद मलिनेनी तेलुगू सिनेमा के बड़े मास सिनेमा डायरेक्टर्स में से एक हैं। तेलुगू सिनेमा के मास महाराजा कहे जाने वाले स्टार रवि तेजा को गोपीचंद ने तीन बड़ी ब्लॉकबस्टर दी हैं- बालुपु, क्रैक और डॉन सीनू। गोपीचंद की अगली रिलीज भी रवि तेजा के ही साथ है। पिछले साल रिलीज हुई गोपीचंद की फिल्म वीर सिम्हा रेड्डी में नंदमुरी बालकृष्ण हीरो थे और ये फिल्म भी बड़ी हिट रही थी। सनी जैसे एक्शन स्टार के साथ उनका कोलेबोरेशन, मास सिनेमा फैन्स के लिए बहुत मजेदार फिल्म लेकर आ सकता है। एसडीजीएम की अनाउंसमेंट के साथ ये साफ नहीं किया गया है कि ये हिंदी-तेलुगू में होगी, या कई भाषाओं के साथ पैन इंडिया वाले ट्रेंड को फॉलो करेगी। लेकिन फिल्म के मेकर्स और क्रू का कॉम्बिनेशन बता रहा है कि ये तेलुगू में तो जरूर होगी।

रिमी को इंसाफ दिलाने आ गई सीआईडी

रिमी सेन को हम सभी धूम, बागबान, क्योंकि, फिर हेराफेरी, गोलमाल और गरम मसाला जैसी कई बड़ी फिल्मों में देख चुके हैं। हालांकि, इसके बावजूद रिमी का एक्टिंग करियर कभी ट्रैक पर नहीं आ पाया। इसी बीच अब एक्ट्रेस अपने साथ हुई ठगी को लेकर एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। दरअसल, यह मामला 2 साल पहले मीडिया में आया था, जिस पर अब भी जांच चल रही है। चलिए जानते हैं कि क्या है ये पूरा केस और इसके अपडेट्स।

कुछ साल पहले रिमी सेन की मुलाकात जिम में एक लड़के से हुई। धीरे-धीरे दोनों दोस्त बने और दोस्ती गहरी होती चली। इस लड़के का एक्ट्रेस के घर पर भी आना-जाना शुरू हो गया। जब रिमी के साथ इस लड़के ने पक्की दोस्ती कर ली, तब उसने एक्ट्रेस को एक इन्वेस्टमेंट प्लान का लालच देकर अपने जाल में फंसाया। इस शख्स ने रिमी से कहा कि अगर वो उसके बिजनेस में अपना पैसा इन्वेस्ट करेंगे तो वह उन्हें 30-40 पर्सेंट ब्याज के साथ पैसा वापस कर देगा। एक्टेस ने इस ऑफर पर काफी विचार किया और आखिरकार पैसे लगा दिए।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिमी ने इस शख्स को बिजनेस के लिए 2019 से लेकर 2020 तक 4.40 करोड़ रुपये दिए। कुछ समय बीत जाने के बाद जब एक्ट्रेस ने अपने पैसे वापस मांगे तो उनका दोस्त आना-कानी करने लगे। यहां तक कि रिमी के कॉल्स भी लेने बंद कर दिए। एक्ट्रेस ने शुरुआत में मामले की जांच अपने स्तर पर ही की, जिससे उन्हें इस बात का पता चला कि जिस बिजनेस के लिए उसने एक्ट्रेस ने पैसे लिए थे वो तो कभी शुरू ही नहीं हुआ। रिमी के सामने इस बात का भी खुलासा हुआ कि वो आदमी बहुत ठग था। ऐसे में उन्होंने तुरंत मामले की जानकारी पुलिस को देते हुए एफआईआर दर्ज करवा दी।

अब रिमी ने एक इंटरव्यू में इस मामले पर बात करते हुए कहा कि उन्होंने करीब डेढ़ साल पहले खार पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। रिमी ने यह भी बताया कि कुछ वक्त पहले ही उनके पास CID यूनिट 9 का भी कॉल आया था। अब एक्ट्रेस का केस CID को सौंप दिया गया है। रिमी सेन को इंसाफ दिलाने की पूरी कोशिश की जा रही है।

अजब-गजब | प्रेग्नेंट महिला को भेज दिया जाता है देश के बाहर

इस देश में बच्चा पैदा करने पर है रोक

दुनिया के कई देशों में अलग-अलग तरह की रहस्यमयी चीजें हैं। एक देश ऐसा भी है, जहां कभी कोई बच्चा पैदा नहीं हुआ। यह देश 11 फरवरी 1929 को बना था और हैरानी की बात है कि 95 साल बाद भी यहां एक भी बच्चे का जन्म नहीं हुआ है।

यह एक ऐसा देश है, जहां रोमन कैथोलिक ईसाई धर्म के सभी महान धार्मिक नेता यहीं रहते हैं। यहां पोप का शासन है, लेकिन इस देश की कुछ बातें अद्भुत हैं। ये दुनिया का सबसे छोटा देश भी है और दुनिया भर के सभी कैथोलिक चर्चों और कैथोलिक ईसाइयों की जड़ें यहीं से हैं।

इस देश का नाम वेटिकन सिटी है। आपको जानकर हैरानी होगी कि यहां कोई अस्पताल भी नहीं है। यहां अगर कोई गंभीर रूप से बीमार पड़ जाए या कोई महिला गर्भवती हो जाए तो देश के बाहर किसी अस्पताल में भेज दिया जाता है या फिर उसके देश भेजने की व्यवस्था कर दी जाती है। ऐसा कहा जाता है कि वेटिकन सिटी में अस्पताल न खोलने का निर्णय इसके छोटे आकार और आसपास के क्षेत्र में बेहतरीन चिकित्सा सुविधाओं की वजह से लिया गया है। वेटिकन सिटी का क्षेत्रफल मात्र 118 एकड़ है। यहां कोई डिलीवरी रूम या सेंटर नहीं होने के कारण यहां कोई बच्चे को जन्म नहीं दे सकता।

यहां नेचुरल डिलीवरी भी नहीं करने दी जाती है। महिला की डिलीवरी का वक्त नज़दीक आते ही

यहां के नियमों के अनुसार उसे बच्चे को जन्म देने तक यहां से जाना पड़ता है। यह बहुत सख्त नियम है, यही वजह है कि यहां बच्चे को जन्म दिया ही नहीं जा सकता है। इसका कानूनी कारण भी है। वेटिकन सिटी में किसी को भी स्थायी नागरिकता नहीं मिलती है, सभी निवासी अपने कार्यकाल की अवधि तक ही यहां रहते हैं। इतने दिनों के लिए उन्हें अस्थायी नागरिकता प्रदान की जाती है। यहां बच्चों को जन्म इसलिए भी नहीं दिया जाता क्योंकि स्थायी नागरिकता मिल ही नहीं सकती।

वेटिकन में केवल 800-900 लोग रहते हैं, जिनमें रोमन कैथोलिक ईसाई धर्म से जुड़े वरिष्ठ पुजारी भी शामिल हैं। यहां व्यक्तिगत अपराध ज्यादा होते हैं। ये अपराध आम तौर पर शहर के बाहर से आए लाखों पर्यटक ही करते हैं, जिनमें चोरी और जेबतराशी शामिल है।

वेटिकन सिटी सिर्फ 0.44 वर्ग किमी है। वेटिकन सिटी एकमात्र ऐसा देश है जहां कोई जेल नहीं है। देश में प्री-ट्रायल हिरासत के लिए कुछ कोठरियां हैं। दोषियों और जेल की सज़ा पाए लोगों को लेटरन संधि के अनुसार इटैलियन जेलों में रखा जाता है। वेटिकन सिटी में दुनिया का सबसे छोटा रेलवे स्टेशन भी है। स्टेशन में 300 मीटर के दो ट्रैक और Citta Vaticano नाम का एक स्टेशन है। इसका उपयोग केवल माल परिवहन के लिए किया जाता है। ध्यान दें कि नियमित ट्रेनें नहीं चल रही हैं।

पैरों से हवाई जहाज उड़ाती है ये महिला मार्शल आर्ट के साथ घुड़सवारी भी करती है

कुदरत ने भले ही कुछ लोगों से काफी कुछ छीन लिया हो या नहीं दिया हो। लेकिन उनमें से कई लोग हालात के आगे झुकने की जगह उन्हें चुनौती की तरह लेते हैं और कई बार अनोखी मिसाल पेश कर डालते हैं। ऐसे लोगों के बारे में सुनना जानना भी अपने आप में सुखद अनुभव होता है। मशहूर होने की ललक से भरे वायरल वीडियो की भीड़ में सोशल मीडिया पर ऐसे लोगों के वीडियो अलग ही सुकून देते हैं। जेसिका कॉक्स का वीडियो भी ऐसा ही कुछ है। बचपन से ही बिना हाथों के पैदा हुई जैसिका ना केवल दुनिया की पहली बिना हाथों वाली पायलट हैं, पायलट होने के साथ मार्शल आर्ट ब्लैक बेल्ट हासिल करने वाली बिना हाथों वाली पहली शख्स भी हैं। 2 फरवरी 1983 को अमेरिका के एरिजोना में पैदा हुईं जेसिका दुनिया के लिए अनजान नहीं हैं। ना ही उन्होंने ये उपलब्धियां हाल ही में हासिल की है। 41 साल की जेसिका ने 2004 में पहली बार हवाई जहाज उड़ाया था और तीन साल के अंदर ही पायलट का लायसेंस भी हासिल कर लिया था। हाल ही में उनका एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें उनकी जिंदगी के कुछ लम्हे दिखाए गए हैं। वे कैसे हवाई जहाज उड़ाती हैं, कैसे अपनी आंखों में कॉन्टेक्ट लेंस लगाती हैं। मार्शल आर्ट के करतब दिखाती हैं, घुड़सवारी करती हैं, यह सब वीडियो में बताया है। वीडियो में वे बताती हैं कि लोग यह जानकर हैरान होते हैं कि वे एक लाइसेंस धारी पायलट हैं। जैसिका बताती हैं कि वो वह सब कुछ कर सकती हैं जो इंसान आमतौर पर अपने हाथों से करता है। 14 साल की उम्र में उन्होंने अपने कृत्रिम हाथों का इस्तेमाल करना छोड़ दिया था। आज वे अपना हर काम कर लेती हैं। पैरों से ही हवाई जहाज को काबू में करती हैं, वे बताती हैं कि जैसे ही लोगों को पता चलता है कि उनकी भुजाएं नहीं हैं, वे उनकी मुश्किलों के बारे में सोचने लगते हैं। जेसिका का यह प्रेरक वीडियो वाकई बार बार देखने लायक है। इंस्टाग्राम पर goal.cast अकाउंट पर शेयर किए गए इस वीडियो के 10 लाख से ज्यादा लोग देख चुके हैं। वीडियो में कैप्शन दिया गया है, हाथ नहीं? कोई समस्या नहीं? जेसिका कॉक्स अपने जन्मजात दोष के बावजूद, वह सब कुछ बनकर बाधाओं को चुनौती दे रही हैं जो वह चाहती थीं। वो खाना बनाती हैं, गाड़ी चलाती हैं, कराटे करती हैं और यहां तक कि विमान भी उड़ाती हैं!

दिल्ली जल संकट पर रूक नहीं रही रार

जल मंत्री आतिशी अनशन पर बैठीं, भाजपा सांसदों ने आतिशी पर साधा निशाना

» आप ने की इंडिया गठबंधन के सभी दलों से अनशन का समर्थन करने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जल मंत्री आतिशी शुक्रवार को हरियाणा से पानी की अतिरिक्त पानी की मांग करते हुए अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठेंगी। आप ने अपील की है कि इंडिया गठबंधन के सभी दलों को अनशन के समर्थन में आगे आना चाहिए। वहीं, भाजपा ने दिल्ली सरकार के इस कदम को गैर जिम्मेदाराना बताया है। भाजपा का आरोप है कि आतिशी का अनशन सिर्फ दिखावा है। दिल्ली सरकार अपनी नाकामियों को छिपा रही है।

आतिशी का अनशन दोपहर 12 बजे से जंगपुरा स्थित भोगल इलाके में शुरू हो चुका है। इससे पहले वह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने राजघाट गईं। आतिशी ने बताया कि दिल्लीवालों को अतिरिक्त पानी मिले, इसके लिए हर संभव प्रयास किया, लेकिन हरियाणा ने पानी नहीं दिया है। इस वजह से अब पानी सत्याग्रह शुरू किया जा रहा है। वहीं जल संकट पर भाजपा सांसद जल मंत्री आतिशी पर हमलावर रहे। शीर्ष नेताओं ने कहा कि दिल्ली सरकार भ्रम फैला रही है। जल मंत्री आतिशी का यह कहना कि हरियाणा दिल्ली को पूरा जल नहीं दे रहा है और हिमाचल प्रदेश से मिल सकने वाले अतिरिक्त जल को भी बाधित कर रहा है, सब एक झूठ है। हरियाणा के सीएम ने भी तथ्यात्मक आंकड़े दिए है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दिल्ली सरकार से पूछा कि दिल्ली में जल संकट है, जल की कमी है तो पैसा देते ही हर नुक्कड़ पर जल टैंकर और पानी के 20 लीटर कैन धड़ल्ले से कैसे मिल रहा हैं। केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि दिल्ली में जलसंकट एक गंभीर विषय है। जनता को पानी देने की जिम्मेदारी केजरीवाल सरकार की है।

जल बोर्ड मुनाफा कमाने की नहीं, सेवा की इकाई : प्रियंका

आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने दावा किया कि जल बोर्ड ने दिल्ली की जनता को अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर देने पर जो पैसे खर्च किए हैं, उसे भाजपा घाटा बता रही है। जल बोर्ड मुनाफा कमाने की नहीं, बल्कि सेवा करने की इकाई है। आठ सालों में दिल्ली सरकार ने 7300 किमी नई पाइप लाइन डालने, 3700 किमी पुरानी पाइप लाइनों को बदलने और नए डब्ल्यूटीपी बनाने समेत कई कार्य किए हैं।

अपने ही बुने जाल में फंसी आप : भाजपा

प्रदेश भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि आप अपने ही बुने जाल में फंस गई है। पानी की किल्लत को लेकर आप नेता सिर्फ झूठ बोल रहे हैं। आप सांसद संजय सिंह व प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ का बयान साफ बताता है कि पानी को लेकर इनकी राजनीति पर दिल्ली की जनता को विश्वास नहीं है और अब हरियाणा की जनता भी इसे समझ चुकी है। जनता को इस बात का अहसास हो चुका है कि आप विधायक टैंकर माफिया के जरिये पानी बेच रहे हैं, इसलिए हरियाणा की ओर से तय मात्रा से अधिक पानी मिलने के बावजूद पानी नहीं मिल रहा है।

जल संकट भाजपा द्वारा प्रायोजित : संजय सिंह

भाजपा प्रदर्शन कर कर्मचारियों के काम में डाल रही बाधा

आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह का कहना है कि देश के इतिहास में पहली बार पानी के लिए किसी राज्य का जलमंत्री अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठेगा। संजय सिंह ने दिल्ली में जल संकट के लिए केंद्र सरकार को घेरा है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि हमारे बार-बार अनुरोध के बाद भी हरियाणा ने दिल्ली के हक का पानी नहीं छोड़ा। प्रधानमंत्री खुद को प्रधान सेवक कहते हैं और उनकी नाक के नीचे दिल्ली के लोगों को उनके हक का पानी नहीं मिल रहा है, जो बेहद शर्मनाक है। आप का आरोप संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली का जल संकट भाजपा द्वारा प्रायोजित संकट है। इस भीषण गर्मी में दिल्ली के लोगों के पीने का पानी रोकना कितना बड़ा पाप है, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मैं दिल्ली की जनता से निवेदन करूंगा कि वे भी इस ल?ई में आतिशी के साथ आएं। हम गलत हैं तो आप हमें सजा दें, लेकिन दिल्ली को हरियाणा सरकार से दिल्ली के हक का पानी मिलना चाहिए। संजय सिंह ने हरियाणा की भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली के 28 लाख लोगों के पीने का 100 एमजीडी पानी रोका हुआ है। अगर वह पानी हमें मिल जाए तो दिल्ली में पानी का संकट दूर हो जाएगा। भाजपा के पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी के नेतृत्व में भाजपा के लोगों ने कार्यालय में तोड़फोड़ की। डर के मारे कर्मचारी काम नहीं करेगा तो दिल्ली के लोगों को पानी कैसे मिलेगा? अगर भाजपाईयों को प्रदर्शन करना है तो हरियाणा भवन और भाजपा मुख्यालय के बाहर करें और दिल्ली के हक का पानी लेकर आएं।

जदयू यूपी में 50 सीटों पर लड़ेगा चुनाव: अनूप सिंह पटेल

» नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ने बताई योजना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जनता दल यू के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अनूप सिंह पटेल ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रदेश की दोबारा जिम्मेदारी दी है। संगठन को मजबूत कर अपनी पार्टी से यूपी में 2027 में विधायक बनाना और सरकार में हिस्सेदारी करना है। 50 प्रत्याशी की तैयारी है उतारने की। इतना काम करना है लोग हमें पूछें। अभी किसी से गठबंधन नहीं किया है।

उन्होंने कहा कि हम हर जिला और विधानसभा में जायेंगे। दूसरे कार्यकाल में पार्टी को और मजबूत करना है और अपने एमएलए बनाना है। हमारे 12 और अपना दल का एक सांसद है। अपना दल से कोई

मुकाबला नहीं है। बड़ी पार्टी अगर साजिश न करें तो हम एमपी भी, एमएलए भी बनाएंगे। यूपी में आते हैं तो रेलवे से अप्रेंटिस बच्चों को नियुक्ति देने की मांग करेंगे। ओबीसी आरक्षण और जाति जनगणना की मांग पूरे देश में उठाएंगे। बिहार की तरह पूरे देश में जाति जनगणना हो। हमारे नेता ने इंडी गठबंधन को बनाया।

किसानों से छल कर रही भाजपा : कमलनाथ

» पूर्व सीएम ने सरकार पर वादा खिलाफी का लगाया आरोप

» फसलों की बढ़ी एमएसपी पर सियासत शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। केंद्रीय कैबिनेट ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए खरीफ की 14 फसलों पर एमएसपी को मंजूरी दी गई है। इसे लेकर मध्य प्रदेश में सियासत शुरू हो गई है। जहां मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया है, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया है।

साथ ही केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से पूछा कि इस इस धोखेबाजी के पीछे का क्या कारण है? कमलनाथ ने अपने एक्स पोस्ट पर लिखा, भाजपा सरकार का किसानों से छल जारी है। केंद्र सरकार ने धान के लिए जो नया एमएसपी जारी किया है वह 2300 रुपया प्रति क्विंटल है। जबकि मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा ने किसानों को 3100 रुपया प्रति क्विंटल एमएसपी देने का वादा किया था। उधर भाजपा ने कमलनाथ की बातों को खारिज किया। उसने कहा हार के बाद कांग्रेस हताश हो गई है। अब वह ऐसे हीअनाप-शनाप आरोप लगाएगी।

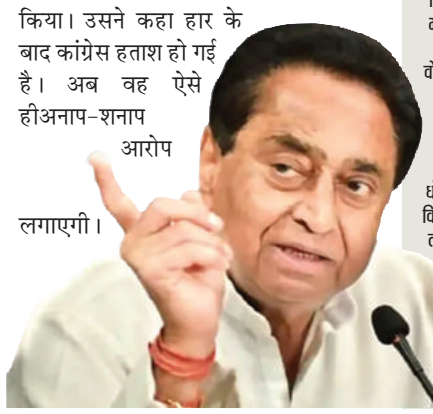

भाजपा के वादे से 800 रुपए प्रति क्विंटल कम एमएसपी

कमलनाथ ने कहा है कि यह नया एमएसपी किसानों को भाजपा के वादे से 800 रुपए प्रति क्विंटल कम एमएसपी दे रहा है। यह हाल तब है जब मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान देश के कृषि मंत्री और मोहन यादव मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने आगे लिखा कि मध्य प्रदेश के किसान भाइयों को अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि भारतीय जनता पार्टी झूठे वादों की राजनीति करती है। किसानों ने 3100 रुपये प्रति क्विंटल धान के वादे पर वोट डाला और आज उन्हें 800 रुपया प्रति क्विंटल कम दिया जा रहा है। मैं मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री से मांग करता हूं कि वे जनता के सामने आकर स्पष्ट करें कि आखिर इस धोखेबाजी के पीछे क्या कारण है? कांग्रेस पार्टी किसानों के साथ इस धोखेबाजी को बर्दाश्त नहीं करेगी, अगर जल्द से जल्द किसानों को वादे के मुताबिक एमएसपी नहीं दिया गया तो कांग्रेस पार्टी हर स्तर पर इसके लिए संघर्ष करेगी। उधर भोपाल में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राज्य स्तरीय योगाभ्यास कार्यक्रम में श्रीअन्न संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा इन योजनाओं से लोग निरोग रहेंगे और राज्य के विकास में योगदा करेंगे।

बुमराह व सूर्यकुमार चमके, भारत की शानदार जीत

» सुपर 8 में टीम इंडिया ने अफगानिस्तान को 47 रनों से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बारबाडोस। भारत का टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में जीत का सिलसिला जारी है। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ सुपर 8 चरण में 47 रनों से जीत दर्ज की है। भारत ने बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल मैदान में 182 रन का लक्ष्य रखा, जिसके जबाव में अफगान टीम 20 ओवर में 134 रन पर ही सिमट गई। इस दौरान अफगानिस्तान की ओर से अजमतुल्लाह उमरजई (26) ने सबसे ज्यादा रन बनाए। नजीबुल्लाह जादरान (19), गुलबदीन नायब (17) और मोहम्मद नबी (14), नूर अहम (12) और रहमानुल्लाह गुरबाज ने 11 रन ही बनाए।

जबकि इब्राहिम जादरान (8) और हजरतुल्लाह जजई (2) भी कुछ खास कमाल नहीं कर पाए। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने चार ओर में 7 रन देकर तीन विकेट अपने नाम किए। वहीं अर्शदीप सिंह ने भी तीन विकेट चटकाए। कुलदीप यादव ने दो जबकि अक्षर पटेले और रविंद्र जडेजा 1-1 विकेट लेने में सफल रहे। वहीं भारतीय टीम की पारी की बात करें तो, टीम की शुरुआत बेहद धीमी रही। साथ ही तीसरे ओवर में ही भारत ने रोहित शर्मा (8) का विकेट गंवा दिया जो फारूकी की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में राशिद को कैच दे बैठे। ऋषभ पंत ने आते ही फारूकी पर चौका जड़ा जबकि कोहली ने नवीन उल हक (40 रन पर एक विकेट) का स्वागत सीधे छक्के के साथ किया। पंत ने नबी पर लगातार तीन चौके मारे। दूसरे चौके के दौरान हालांकि वह भाग्यशाली रहे जब नवीन ने उनका कैच टपका दिया।

सूर्या ने तोड़ा रैना का रिकॉर्ड

सूर्या ने अफगानिस्तान के खिलाफ अर्धशतकीय पारी खेली। इसके साथ ही उन्होंने सुरेश रैना का रिकॉर्ड भी तोड़ा है। सूर्यकुमार यादव भारत के लिए टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में वेस्टइंडीज की सरजमीं पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। सूर्यकुमार यादव ने अफगानिस्तान के खिलाफ 27 गेंदों में 5 चौके और 3 छक्कों की मदद से अपना अर्धशतक पूरा किया। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 196.30 का था। इस मेगा टूर्नामेंट में सूर्या की ये दूसरी फिफ्टी थी, इससे पहले यूएसए में अमेरिका टीम के खिलाफ अर्धशतक जड़ा था।

फोटो: सुमित कुमार

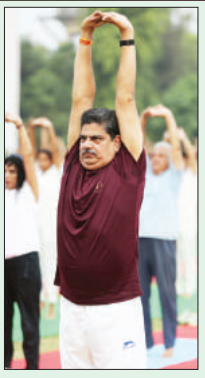

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को राजभवन प्रांगण, लखनऊ में आयोजित सामूहिक योगाभ्यास समारोह में सम्मिलित हुए और योगाभ्यास किया। उनके साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने भी योगाभ्यास में हिस्सा लिया। इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि योग मानवता के अनुकूल है, जो देश, समाज, काल परिस्थितियों से बाधित होकर के भी संपूर्ण मानवता के कल्याण के मार्ग को प्रशस्त करता है। इस कार्य के साथ यदि हम जुड़ते हैं और संपूर्ण मानवता को जोड़ते हैं तो यह पूर्वजों और विरासत के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धा कही जाती है। प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल,मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, प्रमुख सचिव आयुष लीना जौहरी और योग साधव व प्रशिक्षकगण उपस्थित रहे। इसके अलावा शहर के शिक्षण संस्थानों व पुलिस लाइन में भी योगाभ्यास हुआ।

तमिलनाडु शराबकांड : डीएमके और बीजेपी में वार-पलटवार

» स्टालिन सरकार पर भड़के अन्नामलाई
» सीबीआई जांच की मांग की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई ने कल्लकुरिची सरकारी अस्पताल में जहरीली शराब त्रासदी के पीड़ितों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। पिछले 4 घंटों में हमने सभी घरों का दौरा किया है। तमिलनाडु बीजेपी प्रत्येक मृतक के परिवार को 1-1 लाख रुपये जारी कर रही है।

हमारे वरिष्ठ उपाध्यक्ष के नेतृत्व में एक समिति यहां सभी घरों का दौरा करेगी। इन घरों तक कौन सी केंद्रीय योजना पहुंचनी चाहिए, इस पर वे रिपोर्ट सौंपेंगे। राज्य भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि डीएमके की ओर से, यह बेहद निराशाजनक है कि सीएम एमके स्टालिन अभी तक कल्लाकुरिची नहीं आए हैं, लेकिन वह अपने बेटे उदयनीधि स्टालिन को भेज रहे हैं। ऐसे समय में भी वह वंशवाद की राजनीति करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हम सीएम से मांग करते हैं कि वह तुरंत कलालाकरुची का दौरा करें और अगले 24 घंटों में निषेध और उत्पाद शुल्क मंत्री को बर्खास्त करें। यह स्पष्ट रूप से प्रशासनिक एवं कानून व्यवस्था की विफलता है। शनिवार को बीजेपी हमारी मांगों को लेकर राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन करेगी। अगर मांगें पूरी नहीं हुईं तो हम चेन्नई कोटाई तक मार्च करेंगे। अन्नामलाई ने साफ तौर पर कहा कि मैं गृह मंत्री को पत्र लिखकर सीबीआई जांच की मांग करूंगा।

भाजपा के लोग आरक्षण विरोधी : तेजस्वी यादव

» राजद नेता बोले- हाईकोर्ट का फैसला निराशाजनक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पटना हाईकोर्ट द्वारा बिहार सरकार के 65 प्रतिशत आरक्षण को रद्द करने पर सियासत गरमा गई है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्व यादव ने इस मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि हमलोग हाईकोर्ट के इस फैसले से आहत हुए हैं। हम लोगों को संदेह पहले से ही था कि भाजपा के लोग किसी भी हालत में आरक्षण को रोकने का काम करेंगे। हमलोगों ने चुनाव में भी कहा था कि भाजपा के लोग आरक्षण विरोधी लोग हैं।

तेजस्वी यादव ने कहा कि महागठबंधन सरकार ने जब जातीय गणना भी करवाई तो भाजपा वालों ने पीआईएल करवाया दिया। यहां तक कि सॉलिसिटर जनरल तक को खड़ा कर दिया था। लेकिन, हमलोगों की जीत हुई। हमलोगों ने आर्थिक सर्वे भी करवाया। इसके बाद 50 प्रतिशत आरक्षण को बढ़ाकर 65 प्रतिशत करवाने का काम किया। दिसंबर में महागठबंधन सरकार ने केंद्र सरकार से भी अपील किया था कि संविधान के नौंवी अनुसूची में भी डाल दिया जाए। ताकि यह सुरक्षित रहे। तब से अब तक छह महीने हो गए लेकिन केंद्र सरकार ने अब तक इसे पूरा नहीं किया।

पीएम के पैर पकड़कर नौवीं अनुसूची में डलवाने का काम करें मुख्यमंत्री

तेजस्वी यादव ने कहा कि पता नहीं क्यों मुख्यमंत्री नीतीश कुमार चुप्पी साधे हुए हैं। हमलोग लगातार लड़ाई लड़ी। संघर्ष के बाद आरक्षण को बढ़वाया। और भाजपा के आते ही आरक्षण को समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। हमलोग सीएम नीतीश कुमार से अनुरोध करते हैं कि कई बार आपने पीएम नरेंद्र मोदी के पैर पकड़े हैं। इस बार भी पैर पकड़कर नौवीं अनुसूची में डलवाने का काम करें। अगर नहीं हो तो सर्वदलीय लोग पीएम मोदी से मिलकर उनसे अपील करेंगे। जिसकी जितनी आबादी है, उसे उतना हक और सम्मान मिलना चाहिए। तेजस्वी यादव ने स्पष्ट कहा कि सीएम नीतीश कुमार को इस मामले में चुप्पी तोड़नी चाहिए।

परिवहन निगम की बस गिरी, चार लोगों की मौत तीन गंभीर रूप से घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रोहडू। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले की जुब्बल तहसील के तहत कुड्डू से गिल्टाड़ी की ओर जा रही हिमाचल पथ परिवहन निगम रोहडू डिपो की बस के दुर्घनाग्रस्त होने से चालक परिचालक सहित चार लोगों की मौत हो गई। हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस प्रशासन की ओर से दुर्घटना स्थल पर पहुंच कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, परिवहन निगम की बस सुबह करीब छह बजे कुड्डू से गिल्टाड़ी गांव के लिए रवाना हुई। बस में चालक-परिचालक सहित सात लोग सवार थे। करीब चार किलोमीटर चलने के बाद बस पहाड़ी में ऊपर वाली सड़क से लुढक कर नीचे की सड़क पर रूकी है। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर मौत हो गई, दो ने अस्पताल पहुंचने से पहले दंम तोड़ा है। तीन लोगों को उपचार के लिए रोहडू अस्पताल पहुंचा दिया है। मृतकों में चालक व परिचालक बताए जा रहे है। एसडीएम रोहडू ने मौके पर पहुंचे। हादसे के कारण का पता नहीं चला है।

प्रदेश को मिलेगी गर्मी से राहत जल्द आएगा मानसून

» आंधी-बारिश से खुशनुमा हुआ मौसम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के लोगों को जल्द ही गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम विभाग ने कहा है कि मानसून के आगामी 2-3 दिनों में पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हो गई हैं। इसके चलते पूर्वी यूपी में 23 जून से तेज बारिश होने के आसार हैं। उत्तर प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में बृहस्पतिवार को दिन का तापमान 40 डिग्री से भी नीचे आ गया। वहीं न्यूनतम तापमान भी 30 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया।

मौसम विभाग ने घोषणा कर दी है कि मानसून बिहार पहुंच गया है। सबकुछ ठीक रहा तो अगले दो से तीन दिन में उत्तर प्रदेश में इसका प्रवेश हो जाएगा। राजधानी लखनऊ और आसपास 23-24 जून को अच्छी बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक बुधवार की रात से बृहस्पतिवार तक प्रदेश के 25 से अधिक जिलों में आंधी के साथ अच्छी बारिश भी हुई। बरसात का औसत 4.5 मिमी रहा। पिछले सालों की तुलना करें तो इस साल प्रदेश में जून महीने में 78 फीसदी कम बारिश हुई है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, 31 मई से मानसून की पूर्वी शाखा पश्चिम बंगाल के इस्लामपुर में रुकी हुई थी।

पश्चिम में अभी रहेगा लू का असर

पूर्वी उत्तर प्रदेश में अब लू जैसे हालात नहीं हैं, हालांकि पश्चिम उत्तर प्रदेश में कुछ इलाके अभी लू की चपेट में रह सकते हैं। मौसम विभाग ने मथुरा, हाथरस, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा और आसपास के इलाकों में लू का असर दिखने के आसार जताए हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।